

शब्दों के साथ विरोधी या निषेधात्मक अर्थ हेतु प्रयुक्त उपसर्ग जैसे- नाखुश, नासमझ।

नाअना स.क्रि. (देश.) 1. झुकाना, नवाना, नमन करना 2. उँडेलना।

नाइंसाफ़ वि. (फा.+अर.) अन्यायी।

नाइंसाफी स्त्री. (फा.+अर.) अन्याय।

नाइँ/नाई क्रि.वि. (देश.) 1. समान या उसके जैसा "राखहुँ ताहि प्राण की नाई" 2. लिए, वास्ते 3. पुं. नाम से।

नाइऊ पु. (देश.) नाई, हजामत बनाने वाला।

नाइट्रोजन स्त्री. (अं.) रसा. एक गैसीय तत्व जो वायुमंडल में बड़ी मात्रा में विद्यमान रहता है।
nitrogen

नाइत्तिफाकी स्त्री. (फा.+अर.) फूट, रंजिश, एक दूसरे के विचारों का न मिलना।

नाइन स्त्री. (तद्.) नाई जाति की स्त्री, नाई की पत्नी।

नाइब/नायब वि. (अर.) 1. किसी प्रधान अधिकारी का सहायक जैसे नायब तहसीलदार 2. प्रतिनिधि के रूप में काम करने वाला।

नाइलोन पुं. (अं.) थर्मोप्लास्टिक पॉलिमाइड्स को पिघला कर उससे बनने वाला कृत्रिम धागा जिससे वस्त्र, ब्रुश, रस्सियाँ आदि तैयार की जाती हैं, यह धागा सूती धागे की तुलना में अधिक मजबूत और कड़ा होता है।

नाई पुं. (तद्.) नाई, हज्जाम स्त्री. (तद्.) 1. नाव नौका 2. एक लता जिसकी जड़ के कंद को सर्प जैसी गंध के कारण नेवले खाते हैं क्रि.वि. के समान, की तरह, लिए, वास्ते पु. नाम से, नाम पर।

नाउँ पुं. (देश.) दे. नाम।

नाउ स्त्री. (देश.) 1. नाव, नौका।

नाउत पु. (देश.) 1. ओझा, झाड़ फूँक करने वाला 2. सयाना, समझदार।

नाउन स्त्री. (देश.) नाइन, नाई की स्त्री।

नाकंद पु. (फा.) 1. नादान, मूर्ख 2. बछड़ा जिसके जन्म से दाँत शेष हों तथा ऐसे दूध के दाँत जो टूटे भी न हों।

नाक पुं. (तद्.) 1. स्वर्ग 2. अंतरिक्ष, आकाश 3. नक्र, घड़ियाल प्रत्यय. (फार.) 1. (प्रत्यय के रूप में) से भरा हुआ, जैसे- खतरनाक, दर्दनाक, शर्मनाक 2. (नाख या नाग) नासपाती की तरह का एक फल स्त्री. (तद्.) 1. शरीर का वह अंग जो साँस लेने और सूँघने के काम आता है, नासिका, घ्राणेंद्रिय 2. नाक से निकलने वाला मल या कफ 3. (लाक्ष.) मान, सम्मान, प्रतिष्ठा 4. श्रेष्ठ या प्रमुख व्यक्ति मुहा. नाक उड़ा देना- अपमानित करना; नाक ऊँची रखना- सम्मान रखना; नाक ऊँची रहना- सम्मान बना रहना; नाक कटना- अपमानित होना; नाक कटाना- बदनाम होना, मान-मर्यादा नष्ट होना; नाक का बाल- परम घनिष्ठ व्यक्ति जिसके परामर्श से सभी काम होते हैं; नाक के नीचे- किसी के बिल्कुल निकट; नाक घिसना- माफी माँगना, अनुनय विनय करना; नाक चढ़ाना- घृणा और क्रोध करना; नाक पकड़कर- बलपूर्वक या अपनी इच्छानुसार काम कराना; नाक पर गुस्सा होना- छोटी-छोटी बातों पर शीघ्र क्रोध करना; नाक पर मक्खी न बैठने देना- किसी की बात सहन न करना; नाक बहना- जुकाम होना; नाक भौं सिकोड़ना- किसी व्यक्ति या वस्तु के प्रति घृणा प्रकट करना, क्रोध करना; नाक में दम आना- बहुत परेशान होना; नाक में नकेल डालना- पूर्ण नियंत्रण में रखना; नाक रखना- प्रतिष्ठा या सम्मान रखना; नाक रगड़ना- विनती या खुशामद करना; नाकों चने चबाना- बहुत परेशान करना।

नाक कटैया स्त्री. (देश.) 1. नाक कटने या काटे जाने की अवस्था या भाव 2. राम लीला में लक्ष्मण द्वारा शूर्पणखा की नाक काटने का प्रसंग।